लघु उद्योगों में निवेश का कम किया जाना

2360. **श्री रमा शंकर कौशिक:** क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार लघु उद्योगों में निवेश की सीमा को कम करने पर विचार कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) और (ख) 29.4.98 को सम्पन्न लघु उद्योग भारती समारोह में, प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की थी कि लघु उद्योग एककों के लिये निवेश सीमा को 3 करोड़ रुपये से घटाकर 1 करोड रुपये किया जायेगा। प्रधानमंत्री की घोषणा पर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री द्वारा लघु उद्योगों को आश्वासन

2361. **श्री जनार्दन यादव:** क्या **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को प्रधान मंत्री द्वारा लघु और मझोले उद्योगों को दिये गये आश्वासन की जानकारी है;

(ख) क्या इसे कार्यान्वित करने के लिए कोई कदम उठाये गये हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) से (ग) 29.4.98 को सम्पन्न लघु उद्योग भारती समारोह में, प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की थी कि लघु उद्योग एककों के लिये निवेश सीमा को 3 करोड़ रुपये से घटाकर 1 करोड़ रुपये किया जायेगा। आवश्यक प्रधानमंत्री की घोषणा पर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही है।

Delicensing of Sugar Industry

2362. SHRI AKHILESH DAS:
DR. KARAN SINGH:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have lately decided to delicense the sugar industry;

(b) if so, what factors and reasons have led to this decision; and

(c) the extent of sugar-cane that was left uncrushed during 1995-96, 1996-97 and 1997-98 but for non-availability of crushing and processing capacity of sugar mills?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) and (b) Yes, Sir. Government has delicensed the sugar industry with the objective to allow greater freedom to entrepreneurs to take investment and technology decisions in the industrial sector which would contribute to faster industrial growth.

(c) As per the information received from the Government of Maharashtra, 13.68 lakh tonnes of cane remained uncrushed in the sugar season 1995-96 for which the State Government compensated the concerned farmers @ Rs.5000/- per acre. No such case was reported by any other State during the period 1995-96 to 1997-98.

नमक विक्रय व्यापार में बड़े उद्योग

2363. **श्री राज मोहिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा बड़े उद्योगों को देश में नमक-विक्रय उद्योग में कारोबार करने की अनुमति प्रदान कर दी गई है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा यह अनुमति किस तारीख को दी गई थी और यह अनुमति देते समय क्या-क्या शर्तें स्वीकार की गई थी;

(ग) क्या यह भी सच है कि वर्तमान में देश में अनेक बड़े उद्योगपति नमक में कार्यरत है; और

(घ) यदि हां, तो उनके नाम क्या-क्या है तथा इन बड़े उद्योगपतियों द्वारा देश के कुल नमक व्यापार का कितना भाग व्यापारिक दृष्टि से उपयोग करके व्यापार किया जा रहा है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) और (ख) देश में नमक का व्यापार करने के लिए सरकार की अनुमति ली जानी अपेक्षित नहीं है। तथापि, बड़े उद्योग जिन्होंने अपनी ग्रहीत औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए नमक विनिर्माण हेतु नमक वर्क्स स्थापित किए है, उन्हें उपलब्ध फालतू नमक को घरेलू बाजार में बिक्री के लिए जारी करने के लिए उक्त स्टाक के मामले में नमक आयुक्त की पूर्वानुमति लेनी आवश्यक होती है। ऐसी अनुमति केवल सगावधि में एक उपाय के रूप में

प्रदान की जाती है जो देश में समग्र नमक स्टाक की स्थिति पर निर्भर करती है।

टाटा कैमीकल्स लि०, एकमात्र कंपनी जो वैक्युम साल्ट का विनिर्माण करती है , को घरेलू बाजार में वैक्युम आयोडाइस्ड नमक/शुद्ध नमक की बिक्री किए जाने के लिए अस्सी के दशक के मध्य से वर्ष दर वर्ष आधार पर अनुमति दी गई है। उन्हें अन्तिम वार खाने के प्रयोजनार्थ 3.5 लाख टन वैक्युम आयोडाइस्ड नमक तथा चालू वर्ष में औद्योगिक प्रयोजनार्थ 1.00 लाख टन आयोडाइस्ड विहीन वक्युम नमक/शुद्ध नमक की बिक्री की अनुमति दी गई थी।

(ग) और (घ) तात्कालीन केन्द्रीय आवकारी तथा नमक अधिनियम, 1944 के अन्तर्गत नमक विनिर्माण के लिए बहुत से बड़े उद्योगों को लाइसेंस प्रदान किये गये हैं। ऐसे बड़े उद्योगों के नाम जो कि नमक के उत्पादन में कार्यरत हैं, उनके द्वारा वर्ष 1997 में नमक का किया गया उपभोग/उनके द्वारा नमक के किए गए व्यापार की मात्रा विवरण में दी गई है।

विवरण

ऐसे उद्योगों की सूची जो कि नमक के उत्पादन में कार्यरत हैं, उक्त के द्वारा वर्ष 1997 में उपयोग किया गया नमक/व्यापार किए गए नमक की मात्रा दर्शाई गई है:

क्रम संख्या	कंपनी का नाम	1997 में नमक की ग्रहीत उपभोग (टन) में	1997 में घरेलू बाजार में बिक्री की गयी नमक की मात्रा (टन में)	देश में कुल नमक उत्पादन की तुलना में उपभोग/बेचे गये नमक की मात्रा की प्रतिभतता (% में)
1.	मै० टाटा केमिकल्स लिमिटेड	15,06,765	3,03,490	12.70
2.	मै० बल्लारपुर इंडस्ट्रीज लि०	1,12,232	शून्य	0.78
3.	मै० गुजरात हेवी केमिकल्स लि०	3,59,631	शून्य	2.52
4.	मै० सौराष्ट्र केमिकल्स लि०	2,22,368	शून्य	1.56
5.	मै० सेंचुरी केमिकल्स लि०	61,505	शून्य	0.43
6.	मै० कनोरिया केमिकल्स	34,356	शून्य	0.24
7.	मै० स्टैंडर्ड साल्ट वर्क्स (स्टैंडर्ड अल्कली लिमिटेड)	19,655	शून्य	0.14
8.	मै० डी सी डब्लू लिमिटेड, धरंगधा	1,39,631	शून्य	0.98
9.	मै० डी सी डब्लू लि०	90,000	शून्य	0.63
10.	मै० डी सी डब्लू लि० वेडरानाम	80,000	शून्य	0.56
	योग	**26,26,143**	**3,03,490**	**20.56**

Payment of wages to workers of BPMEL

2364. SHRI NILOTPAL BASU:
SHRIMATI CHANDRAKALA PANDEY:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether workers on the rolls of Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd. (BPMEL) are not being paid their monthly wages;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether employees are being paid the wages only when they are opting for VRS; and

(d) if so, the reasons for the differential treatment to the employees on roll and the VRS optees?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY SHRI SUKHBIR SINGH BADAL): (a) Em-